



उन्मुक्त वासना की मस्ती- 9

“बैड सेक्स इन फैमिली का नजारा लें इस कहानी में जहां एक लड़की अपनी मां के नए पति का लंड चूसने के बाद चूत चुदवा रही है. बाप के बाद भाई को भी मजा देगी यह गर्म लड़की. ...”

Story By: माधुरी सिंह मदहोश (madhuri3)

Posted: Sunday, June 9th, 2024

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [उन्मुक्त वासना की मस्ती- 9](#)

उन्मुक्त वासना की मस्ती- 9

बैड सेक्स इन फैमिली का नजारा लें इस कहानी में जहां एक लड़की अपनी मां के नए पति का लंड चूसने के बाद चूत चुदवा रही है. बाप के बाद भाई को भी मजा देगी यह गर्म लड़की.

कहानी के आठवें भाग

बेटी ने पति से अपनी माँ चुदवाई

तक आपने पढ़ा कि शालू का विवाह रवि से होने के कारण दो कामुक परिवारों की वासना को विस्तार मिला।

दोनों परिवार के नर और मादा आपस में सेक्स का मजा लेने लगे.

शेखर को अपनी सौतेली बेटी शालू की और रवि को अपनी सास सपना की चूत चोदने का मन किया तो सपना ने शालू और रवि को अपने घर बुला लिया।

सपना 'वुमन ऑन टॉप पोजीशन में रवि के दमदार लौड़े पर सवार होके चुदाई करवा रही थी.

तभी संजू अचानक पीछे से आकर सपना की गांड में लन्ड डाल दिया।

उधर शेखर शालू को टॉयलेट सीट पर बिठा कर उसके मुंह में लंड डाल के धक्के लगा रहा था।

अब आगे बैड सेक्स इन फैमिली :

जब शालू ने अपने मुख मैथुन द्वारा शेखर को पर्याप्त सनसनी दे दी तो उसने सोचा यदि शेखर यूं ही धक्के लगाता रहा तो वह बेकाबू होकर मुंह में ही स्वलित हो जाएगा।

यदि ऐसा हुआ तो उसकी चुदाई की मां चुद जाएगी.

इसलिए वह लन्द अपने मुंह से निकाल कर खड़ी हुई और शेखर से बोली- अब मेरी बारी है, तुम अपनी जुबान को मेरी चूत की सेवा के लिए ड्यूटी पर लगाओ।

शालू खड़ी थी तो शेखर ने घुटनों के बल होकर उसकी चूत में मुंह दिया.

उसने शेखर की सुविधा के लिए अपना बांया पैर उसके दाहिने कंधे पर रखा जिससे कि चूत का मुंह थोड़ा खुल जाए।

ऐसा करने के बाद जब शेखर ने जुबान चूत पर लगाई तो चूत रस का कुछ स्वाद तो आया किंतु अभी भी चूत चाटने में कठिनाई आ रही थी।

इसलिए शेखर ने शालू से कहा कि वह दूसरा पैर भी उसके कंधे पर रखकर दीवार के सहारे से बैठ जाए।

उसने शेखर की बात मानकर ऐसा ही किया।

शेखर ने शालू के वजन को अपने कंधों पर लिया और खड़ा हो गया।

शालू ने ऊपर की ओर शॉवर का पाइप पकड़ के अपने को ठीक से सम्भाल लिया और अब उसकी चूत अपना मुंह पूरी तरह खोलकर शेखर के होंठों और जुबान को दावत दे रही थी।

शेखर ने उसकी चूत में जुबान डालकर उसके रिसते हुए रस को चाट चाट कर चूत में हलचल सी मचा दी।

शालू के मुंह से सिसकारियां निकलने लगीं.

कुछ देर तक चूत चूषण का यह सिलसिला चला.

फिर शेखर को लगा कि शालू का बदन कंपन कर रहा है।

वह समझ गया कि शालू अब झड़ने वाली है.

शेखर तुरंत शालू की चूत के सबसे संवेदनशील भाग भगनासा को अपने होंठों में जकड़ कर उस सुर्ख अनार दाने को जुबान से चूसने लगा।

शालू की सिसकारियां अब मस्ती की चीखों में बदलने लगीं।

उसकी चूत जोर-जोर से फड़क रही थी और चूत से कामरस एक नदी की तरह बह रहा था।

शेखर चूतरस को निगलता रहा लेकिन उसके क्लिटोरिस पर केंद्रित शेखर की मेहनत बंद नहीं हुई, शालू इतने दमदार ऑर्गेज्म के आवेग को सहन नहीं कर पाई और स्क्वर्ट करने लगी।

शालू की चूत से मूत्र की धार शेखर के मुंह के अंदर और बाहर गिरने लगी और एक बार जब धार गिरना शुरू हुई तो फिर ब्लैडर पूरी तरह खत्म होने के बाद ही रुकी।

शेखर इस गर्मागर्म पेय पदार्थ के भी कुछ कतरे गटक गया क्योंकि अभी वासना उसके सिर पर सवार थी.

बैड सेक्स इन फैमिली की स्थिति में अपने साथी की कोई भी हरकत बुरी नहीं लगती।

उत्तेजना की घड़ियों में अपने साथी को कामसुख पहुंचाने का भी एक नशा होता है, इसके लिए हर मर्द और हर औरत कभी ना कभी सारी हदें पार कर जाते हैं।

शेखर ने फिर शॉवर चला दिया और शालू को अपनी बाहों में लिए हुए ही भीगे बदन के साथ बाथरूम से बाहर आकर उसे पलंग पर लिटा दिया और फिर अपने लन्ड पर थूक लगाया।

शालू की चूत तो पहले ही से शेखर की मुख लार और चरम सुख के दिव्य रस के कारण चिकनी थी ही।

इसलिए शेखर ने शालू को पलंग के ऊपर खिसकाया उसके पैर घुटनों से मोड़ कर ऊपर किए और अपने लन्ड का टोपा उसकी चूत के बीचों-बीच रखकर दमदार झटका लगाया।

लन्ड दोनों को सुखद एहसास कराते हुए, फिसलता हुआ शालू की चुदाई की अभ्यस्त चूत में समा गया।

शालू ने शेखर की पीठ पर अपने पैरों की कैंची बनाकर जोर से भींच लिया लेकिन रवि के लन्ड के मुकाबले शेखर का लन्ड कुछ छोटा और पतला था इसलिए जितना बड़ा था उतना ही घुस पाया।

इसलिए शालू ने फिर से अपनी पैरों की कैंची से शेखर को आजाद किया और कहा- पापा, अब ज़ोर से रगड़ दो ना मेरी चूत को! मेरी चूत में अभी भी तरंगे उठ रही हैं।

शेखर ने धक्के लगाना शुरू किये.

इतनी देर तक ओरल करने के कारण शेखर खुद भी अपने लन्ड को घर्षण सुख पहुंचाने के साथ साथ स्वलन के लिए बेताब हो रहा था।

धीरे-धीरे उसके धक्कों में जोश और शक्ति आने लगी.

जब 20-25 दमदार धक्के लगातार लगे तो शालू का बदन फिर एक बार अकड़ा, शालू की चूत फिर ज़ोर ज़ोर से फड़कने लगी।

शालू की चूत के साथ शेखर के लंड में भी सनसनी हुई, उसका लंड भी ऐसे फड़कने लगा जैसे शालू की चूत में दो दिल धड़क रहे हों।

शेखर के लन्ड से भी फिर वीर्य की पिचकारी छुटी और वीर्य की बौछार, शालू की चूत की अग्नि को ठंडा करने लगी।

वह फिर भी नहीं रुका और जब तक उसके लन्ड में तनाव बना रहा, शालू की चूत को रगड़ता रहा.

शालू ने कई बार इस विलक्षण चरम सुख का आनन्द लिया ।

जब लन्ड तनाव रहित होने लगा तब भी शेखर ने अपने लन्ड को शालू की चूत में तब तक दबाए रखा जब तक उस के लंड से वीर्य का स्टॉक खाली नहीं हो गया ।

कुछ समय बाद दोनों के बदन ढीले पड़ गए ।

उसका लंड सिकुड़ता और फिसलता हुआ शालू की चूत से बाहर निकल आया ।

शेखर निढाल होकर पसीने में लथपथ अपनी बेटी शालू के नंगे बदन पर गिर पड़ा ।

कुछ देर अपने बाप के वजन को झेल कर शालू ने शेखर को अपनी बगल में ले लिया ।

शालू और शेखर दोनों ने पहली बार पानी में भीगे बदन के साथ चुदाई का आनन्द लिया था और उन दोनों के लिये आज का यह अनुभव अद्भुत था ।

मेरा सभी पाठक, पाठिकाओं से आग्रह है कि कभी अपने सैक्स पार्टनर के साथ यह प्रयोग करके देखें ।

मर्द और औरत दोनों के तरोताजा बदन एक दूसरे को कई गुना अपार सुख प्रदान करेंगे ।

उसके बाद वह आज हुई चुदाई और उसके आनन्द के बारे में सोचने लगा ।

आज पहली बार शेखर ने नहाने के तुरंत बाद किसी गीले बदन वाली औरत की चुदाई करी थी ।

यह अनुभव उसके और शालू के लिए भी पहला था ।

शेखर चुदाई के बाद शालू के बदन से उड़ती हुई महक का आनन्द लेते हुए सोचने लगा कि

मर्द चाहे कितना भी जवान और बलिष्ठ क्यों ना हो एक बार स्वलित होने के बाद उसका लंड, कुछ ही देर के लिए ही सही, नर्म जरूर पड़ता है।

धीरे-धीरे शालू और शेखर दोनों की पलकें भारी होने लगीं और दोनों निद्रा देवी की गोद में तनावमुक्त हो कर सो गए।

शेखर की जब नींद खुली तो उसने सोचा कि इसे प्रकृति का चमत्कार ही कहेंगे कि उसने औरत में मर्द के मुकाबले न केवल वासना अधिक भरी है बल्कि उसे एक बार की चुदाई से ही एकाधिक बार चरमसुख उठाने की क्षमता भी प्रदान की है।

उसके उपरांत भी औरत की कामेच्छा पर ही सबसे अधिक पहरे, औरत को हर समय उस के जिस्म की प्राकृतिक और ऐच्छिक जरूरत को पूरा करने से जबरन रोकने की प्रवृत्ति।

मर्द तो किसी भी नई चूत को चोदने के मिले अवसर को नहीं गंवाता और मिली हुई नई चूत को चोद के ही मानता है।

लेकिन औरत पर किसी भी परिस्थिति में एकनिष्ठ बने रहने का बंधन और सामाजिक दबाव, हमेशा नैतिकता और संस्कारों के प्रश्न ... औरत के साथ अन्याय नहीं तो और क्या है ?

शालू की मीठी नींद में खलल तब पड़ा, जब उसे अपनी चूत पर किसी की जुबान का अहसास हुआ।

उसने अपनी आंखें खोली तो देखा कि उसका चोदू भाई संजू उसकी, कुछ समय पहले ताजा ताजा चुदी हुई, वीर्य भरी रसीली चूत में से अपने बाप का, गर्मा गर्म वीर्य सुड़क के चटखारे ले रहा था।

यह भी एक आश्चर्य की बात है कि जब मर्द का लंड लटका हुआ हो यानि उसकी वासना

शांत हो तो उसे वीर्य को चखना तक पसंद नहीं आता ।

लेकिन जब दिमाग में वासना चढ़ी हुई हो और लंड तन्ना रहा हो तो उसे अपनी पत्नी, प्रेमिका या किसी भी औरत की चूत से, पराये मर्द के वीर्य को चाटने में भी विशेष परेशानी नहीं होती ।

संजू की जुबान से शालू की चूत में उठ रही मस्ती की लहरों ने शालू के दिमाग में थोड़ी देर पहले शांत हुई वासना को फिर से जगा दिया ।

शालू के समीप ही शेखर गहरी नींद में सोया हुआ था ।

संजू ने शालू को हाथ पकड़ कर उठाया ।

शालू पलंग पर बैठी, संजू उसके सामने नंगा खड़ा हो के अपने लंड को हिलाने लग गया ।

संजू कुछ समय पहले अपनी मां को चोद कर और उसकी गांड मार कर आया था लेकिन उसका लंड अभी ना मुरझाया था ना तन्नाया हुआ था ।

शालू ने उसके लंड को नर्म देखा तो वह समझ गई कि संजू के लंड को उसके लाड़ दुलार की जरूरत है ।

वह संजू के लंड को हाथ में लेकर सहलाने लगी ।

उसके बाद मुंह में लेकर अपने हाथ से धीरे-धीरे फेंटते हुए चूस चूस के उस के लंड को अतिरिक्त उत्तेजना प्रदान करने लगी ।

लंड धीरे-धीरे फूलना शुरू हो गया ।

शालू के संजू के लंड को खड़ा करने के प्रयास लगातार जारी थे जिसके कारण लंड की कोशिकाओं में रक्त आकर भरना शुरू हो गया था ।

जब लन्ड अच्छे से कड़क हो गया तो संजू ने शालू को घोड़ी बनने को कहा.
तो शालू ने मना करते हुए कहा- नहीं भाई, मेरी चूत की चुदाई चाहे जितनी कर लो पर मैं
गांड हरगिज नहीं मरवाऊंगी।

इस पर संजू ने कहा- बहना, मुझे तेरी गांड मारनी भी नहीं है, अभी अच्छी तरह से मैं
अपनी मम्मी की गांड बजा के आ रहा हूं।

शालू ने कहा- क्यों ? रवि तो मम्मी को चोदने के लिये ही आया था ना ?
इस पर संजू ने कहा- हां ... लेकिन मम्मी की पुरानी इच्छा थी कि वह बेटे और दामाद
दोनों के लन्ड एक साथ ले।

शालू हंस पड़ी, उसने कहा- अपनी मम्मी की चूदास का भी जवाब नहीं ! लेकिन तेरा इतनी
जल्दी फिर से चुदाई का मूड कैसे बन गया ?

इस पर संजू ने कहा- सुन मेरी सैक्सी सिस ... क्योंकि एक तो मुझे डिस्चार्ज होने के बाद
एक डेढ़ घंटे का रेस्ट मिल चुका है. फिर मम्मी को चोदने के बाद में छोटी बहन की चुदाई
नहीं करो तो बहन की चूत का अपमान होता है।

शालू को संजू की इस बात पर फिर हंसी आ गई, कहने लगी- कमीने, मैं तो वैसे भी तुझ से
चुदवाने के लिए तैयार हूं फिर बातें क्यों बना रहा है गुंडे ?
ऐसी बातें करते हुए शालू का फिर से चुदाई का मूड बन गया।

वह पलंग के एक सिरे पर घोड़ी बन गई.
संजू ने झुक कर उसके दोनों कूल्हों और चूत पर चुम्बन अंकित किया.

शालू के तन में सिहरन सी दौड़ी।

उसके बाद संजू ने अपने लन्ड के टोपे को शालू की चूत के मुंह को खोलते हुए रखा और

शालू की कमर पकड़ कर आगे की ओर जोरों से दबाव डाला, थूक में सना हुआ लन्ड फिसलता हुआ शालू की चूत में सट्ट से घुस गया।

शालू के मुंह से मस्ती की सिसकारी के साथ निकला- भाई, तुम्हारा लन्ड मेरी चूत को सबसे अधिक सुहाता है।

इस पर संजू ने शालू की चूत में अपने लन्ड के रगड़े लगाते हुए कहा- लेकिन मेरी बहना, रवि का लन्ड तो मेरे लन्ड से भी अधिक लंबा और मोटा है न ?

शालू ने कहा- हां, तुम सही कह रहे हो. किंतु कोई भी लड़की या औरत बाद में चाहे जितने लन्ड ले ले, पर अपनी चूत में घुसने वाले पहले उस लन्ड को कभी नहीं भूल सकती. जिसने उसकी सील तोड़ कर उसे कली से फूल बनाया हो।

बैड सेक्स इन फैमिली की कहानी अभी 3-4 भागों में आती रहेगी.

मेरे सभी कामुक पाठक, पाठिकाओं से निवेदन है कि यदि उन्हें मेरी ये दो परिवारों की काम-गाथा पसंद आ रही हो, इससे उन्हें यथेष्ट सनसनी मिल रही हो तो अपनी सनसनी, सुझावों सहित मुझ तक पहुंचाएं।

मेरी आईडी है

madhuri3987@yahoo.com

बैड सेक्स इन फैमिली कहानी का अगला भाग : [उन्मुक्त वासना की मस्ती- 10](#)

Other stories you may be interested in

घर में चुदाई का खुल्लम खुल्ला खेल- 2

माँ बहन की चुदाई करने का मौका मेरी बहन के चुदक्कड़पने ने दिया. मुझे भाभी ने बताया कि मेरी बहन उनके पति से सेक्स करती है. बस तो मैं भी अपनी बहन को चोदने की फ़िराक में हो गया. कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

उन्मुक्त वासना की मस्ती- 10

न्यूड इंडियन फैमिली सेक्स कहानी में एक नवविवाहिता लड़की की सास ने विवाह की वर्षगाँठ पर सामूहिक चुदाई उत्सव का आयोजन किया जिसमें दोनों पक्ष के सभी लोग थे. कहानी में नवम् अंश सौतेले बाप के बाद भाई से चुदी [...]

[Full Story >>>](#)

घर में चुदाई का खुल्लम खुल्ला खेल- 1

हॉट मामी फक कहानी में मेरे चचेरे भाई का भानजा, जो मेरा हमउम्र था, मामा के घर रहता था और मामी की चुदाई करना चाहता था. मैं भी अपनी भाभी की चूत का मजा लेना चाहता था. दोस्तो, मैं रवि [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की दुल्हन के साथ सुहागरात

Xxx वर्जिन गर्ल फक कहानी में हम दोस्तों के ग्रुप में एक लड़की थी जो मेरी खास दोस्त थी. पर उसकी जाँब बाहर लग गयी और एक दिन उसने बताया कि वह मेरे एक दोस्त से शादी कर रही है. [...]

[Full Story >>>](#)

उन्मुक्त वासना की मस्ती- 8

बाप बेटी मिक्स सेक्स कहानी में बेटी ने अपने पति से अपमी चुदवा दी. बाप ने अपनी सौतेली बेटी चोद दी और बहन ने अपने सौतेले भाई से चूत मरवा ली. कहानी के सातवें भाग लड़की के पापा ने दामाद [...]

[Full Story >>>](#)

